II. Part

व्यवसायिक नीतिशास्त्र

व्यापार समाज का एक भाग है। इस सन्दर्भ में प्रत्येक व्यक्ति तथा समाज के प्रत्येक अंग को निश्चित नियमों का पालन करना चाहिये एवं न तो व्यापार का कोई अलग से नीतिशास्त्र है और न ही इसकी आवश्यकता।" व्यवसायिक नीतिशास्त्र. व्यापार के नैतिक विषयों से सम्बन्धित है, ठीक उसी प्रकार जैसे समाज नैतिक नियमों एवं मूल्यों से सम्बन्धित है। प्रत्येक शास्त्र एवं विज्ञान की कुछ मान्यतायें है; इसी प्रकार व्यवसायिक नीतिशास्त्र की भी मान्यतायें इस प्रकार है।

① व्यवसायिक नीतिशास्त्र मानवीय भावनाओं की अपेक्षा मानवीय मूल्यों तथा सिद्धान्तों से अधिक प्रभावित होता है।

② व्यवसायिक नीतिशास्त्र सामाजिक उत्तरदायित्व का आधार माना जाता है।

DR. Nehajain

③ व्यवसायिक नीतिशास्त्र सत्यता, ईमानदारी, चरित्र, विश्वास, सद्भाव आदि को कार्यक्षेत्र में अपनाने पर बल देता है।

④ व्यवसायिक नीतिशास्त्र केवल भावनाओं पर आधारित नहीं होता बल्कि व्यवसायिक वातावरण की वास्तविकताओं, परिवर्तनों

नये मूल्यों व अवधारणाओं पर आधारित होता है।

⑤ व्यवसायिक नीतिशास्त्र मानवीय मूल्यों की पूर्ति के लिये आवश्यक साधनों की व्यवस्था करता है।

अतः हम कह सकते हैं कि व्यवसायिक नैतिकता [प्रोफेशनल इथिक्स] समाज में व्यक्ति के अपने कार्य और कार्यस्थल के प्रति नैतिक जिम्मेदारी से जुड़ा मानक है। किसी भी सफलता में प्रोफेशनल इथिक्स की बड़ी एवं महती भूमिका होती है। कार्यस्थल पर इसको अपनाकर लोगों का विश्वास जीता जा सकता है। वास्तव में नैतिकता थोपी नहीं जा सकती। अभ्यासगत व्यवहार से यह आचरण में समाहित हो जाती है। गुणवत्ता, निष्पक्षता, कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता, आदर, साख निर्मित करना ये सब व्यवसायिक नीति के अन्तर्गत आने वाले गुण हैं।

Dr. Neha Jain

धन्यवाद!

मानवीय मूल्य एवं व्यवसायिक आचार

- मूल्य शब्द से तात्पर्य किसी भौतिक वस्तु अथवा मानसिक अवस्था के उस गुण से है जिसके द्वारा मनुष्य के किसी उद्देश्य अथवा लक्ष्य की पूर्ति होती है।

- मूल्यों का व्यक्ति के आचरण, व्यक्तित्व एवं कार्यों पर स्पष्ट प्रभाव दिखाई देता है।

* मूल्य के दो पहलू होते है - प्रथम - (विषयवस्तु) द्वितीय (तीव्रता)
* मूल्य कुछ अंश तक आंतरिक भाव होते है, जो व्यक्ति के व्यक्तित्व में प्रतिबिम्बित होते है।
* क्षेत्र विशेष के सन्दर्भ में मूल्य के महत्व में अन्तर पाया जाता हैं।
* मूल्य अमूर्त होते हैं।

मूल्यों के प्रकार ; दृष्टिकोण के आधार पर :

- सकारात्मक मूल्य जैसे; अहिंसा, शान्ति, धैर्य आदि।
- नकारात्मक मूल्य जैसे; हिंसा, अन्याय, कायरता

उद्देश्यो के आधार पर

* साध्य मूल्य - वे सभी वस्तुयें या अवस्थायें जो स्वयं में शुभ होती है।
* साधन मूल्य - जो अपने आप में शुभ न होकर किसी अन्य वस्तु के साधन के रूप में शुभ होता हैं।

विषयक्षेत्र के आधार पर :

- सामाजिक मूल्य - अधिकार, कर्तव्य, न्याय आदि
- मानव मूल्य - नैतिक एवं आध्यात्मिक
- नैतिक मूल्य - न्याय, ईमानदारी
- आध्यात्मिक मूल्य - शांति, प्रेम, अहिंसा।
- भौतिक मूल्य - अन्न भोजन, वस्त्र, मकान आदि
- सौन्दर्यात्मक मूल्य - प्रकृति, कला एवं मानवीय जीवन के सौंदर्य को कहते है।
- मनोवैज्ञानिक मूल्य - प्रेमदया

कार्यक्षेत्र के आधार पर :

- राजनीतिक मूल्य, जैसे:- ईमानदारी, सेवा भाव आदि।
- न्यायिक मूल्य, जैसे:- सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता आदि।
- व्यवसायिक मूल्य जैसे: जवाबदेही, जिम्मेदारी, सत्यनिष्ठा आदि।

NEW